



PAPER – II

पत्र – II

KHADIA LANGUAGE AND LITERATURE

विषय – खड़िया भाषा – साहित्य

Full Marks : 150

पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours

समय : 3 घंटे

उत्तुन कायोम -

- 1) जुनुड उबर खंधाते तजूतजू अयीज । खंधा 'क' ते जुनुड 1 से 4 रो खंधा 'ख' ते 5 से 8 अयीज ।
- 2) जमा 6 जुनुडअ उतारा तेरना अयीज । जुनुड सं 1 रो जुनुड सं 5 उतारा तेरनागा अयीज ।
- 3) अनिवार्य जुनुड सं 1 रो सं 5 ते 7-7 जुनुड अयीज, उर्तेय 5-5 उतारा तेरना अयीज ।
- 4) अनिवार्य जुनुड सं 1 रो जुनुड सं 5 ते उतारा तेरकोन उबर खंधा तय कम से कम 1-1 रो जमा 4 जुनुडअ उतारा तेरना होइना ।

निर्देश :

- 1) हाशिये में पूर्णांक दिये गये हैं ।
- 2) प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त हैं । भाग- A में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं 1 से 4) एवं भाग- B में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं 5 से 8) हैं ।
- 3) कुल छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न सं 5 का उत्तर देना अनिवार्य हैं ।
- 4) अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 के अंतर्गत कुल सात-सात प्रश्न हैं । कुल सात-सात प्रश्नों में से पाँच-पाँच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं ॥
- 5) अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक एवं कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Marks
गुण

खंधा - 'क'

1: जहाँय मोलोय जुनुडअ उतारा तेरेपे

(5×7=35)

- I) ध्वनिशास्त्र ते ई या: विकास ओबयोडोमसी: ? बारूडा: उतुनेपे ।
- II) खड़िया लडअ उत्तम पुरुष द्विवचन: उदाहरण तेरकोन बारूडा: समझायेये ।
- III) खड़िया लड योगात्मक अयीज । उदाहरण तेरकोन पुसुटेपे ।

E27SM6

P.T.O.

- IV) 'ओबकोडडोमताकियर' या: लुड परिचय तेरेपे ।
 V) जुनास विलुड खडिया लिपि ब्यसिखो: । खडियाकि ईना उभय बाइजकी ? कारन उतुनेपे ।
 VI) खडिया ते मुण्डा लड परिवार ते उनसी:मय । मोलोय कारण उदाहरण सोरी मिडेपे ।
 VII) "खडिया लडअ वैज्ञानिक अध्ययन अलेडगा होइता" अम्प: विचार मिडेपे ।

2. क) खडिया: आदिकाल: साहित्य: बारे उतुनेपे । जतरू खडिया: योगदान ते जो उतुनेपे । (2×10=20)

ख) मध्यकालीन कवि में से मुडुवा: परिचय रो कामुवा: बारे मिडेपे ।

3. क) 'तोनोलसो:' अजे: गमतेकी ? मुडु तोनोलसो: लिखाकडअ कामु किते उतुनेपे । (2×10=20)

ख) सेरकेनिपे :

"होतिज को बेडो ओलो: की तय को गोडझुड ओबसिड गोठो:कियर । केँउझर तिज चोना मेलय बारीपदा तिज चोलगोडकीकियर रो यहा सोमदोर ते ओडो: गोडकीकियर ।"

4. क) खडिया कविता ते होडोम लड रो विचार: प्रभाव कुइता, मेले चोयेपे । (2×10=20)

ख) फा. जोवाकिम डुंगडुंग उमलय मेरी एस सोरेडअ साहित्यिक परिचय तेरेपे ।

खंधा - 'ख'

5. मोलोय जुनुडअ उतारा तेरेपे । (5×7=35)

I) खडिया लोक साहित्य: कि:ते मेने भेद ताइजडोमसी ? संक्षेप परिचय तेरेपे ।

II) 'तिलजड' अजे गमतेकी ? तमा उरिवाज: बारे अपन विचार उतुनेपे ।

III) पुरखा परिचाते बन्दोई रो रामरेखा वीरूचा: संबंध आवकी । बारूडा: उतुनेपे ।

IV) खडिया बाइर कभनेइत ते लेनु रो किनिर: जनवर किया: केरसोड कुइता । उकडअ माने उतुनेपे ।

V) खडिया लोकगाथा कुइता ? कुइसी: ला: बारूडअ मेले चोयेपे ।

VI) खडिया किया: अपन डा: ते जतनना: कोर्निस ते उतुनेपे ।

VII) खडिया पोढेना: फायदा रो नोकसान उतुनेपे ।



6. क) डोबड़ेगेपे -

(2×10=20)

केलुड बोरता-बोरता कि:ते तो: जोगे । लेबुकि जो तेरना-तेरना एठेडकिमय रो उमय तेरना माडेयो: । मेरे को दउडा धोखो: गुजुमडाग: ते चोना मडियो: । बरसोन उ:फेसोन को गुजुमडा: तेर दखायो: । मुदा वीरू केलुड रो नजइर बुड भेइर योना अवाला गुजुमडा: । होबेन पोइंचा तेरना बुडगा गुजुमडा: जो बेताड गोडकी । मुदा केलुड को इकुड जुलुम । चोलकोन दुरातेगा डोकोना । आखिर तेरना-तेरना गुजुमडाग:ओ: गुइजडा:डोम गोडकी ।

ख) 3 खंधा ते पोदेकोन उ:फे जुनुडअ उतारा तेरेपे ।

उतिज केन्दरा ते तिंज: ओ:ते कुलम उनगोठो: । तुडलोड गोरेजमेय: किनिर चोलकनकी । उतिज केन्दरा तय बेटी मु:की । ओ:जोखो: पे: गोडोओ, उव:की, कड्डोम-सो:डोमकी रो केन्दरा ते डियर गोडकी । बेटा तोहोनवो: ते एडकी । योते-अन: जो:जो: अयिज, पे: गोडगोड अयिज । लेरे: लेरे: ओखो: रो गितअ जोमकी ।

जुनुड

क) बेटी अते आटना ला:की ?

ख) कुलम केन्दरा ते अतु उनो: ?

ग) ओ: ओरियाय कुई कोन कुलम बोटोडकी/यारो: /लेरे: की ।

7. खड़िया बुड कुबलाडेपे ।

(2×10=20)

क) “नए कानून में पहली बात तो यही है कि गाँव क्या हैं ? उसे मैदानी असलियत को देखते हुए परिभाषित करने की व्यवस्था है । इस बात को साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि अब तक सरकारी रिकार्ड में गाँव माना जाता रहा है । उसे नई व्यवस्था के लिए ऐसी एक या अधिक बसाहतें, जिनमें रहनेवाले लोग आपस में मिलजुल कर अपने रोजमर्रा के काम-काज की व्यवस्था समाज के रूप में करते हों, उसी को गाँव या ग्राम माना जाएगा । प्रत्येक ग्राम के लिए एक ग्राम सभा होगी । इस तरह अब तक परंपरा से समाज के रूप में कामकाज चलाने वाले समूह को ही जिसे आम बोलचाल में पंचायत भी कहा जाता है । औपचारिक रूप से ग्राम सभा का दर्जा दिया गया है ।”

ख) कर्जदारी आदिवासी समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या है । उसी के चलते उनका सब कुछ उनके हाथ से निकलता जा रहा है । सरकारी व सहकारी कर्ज भी उनके लिए अभिशाप ही साबित हुए हैं । घर की कुर्की या खेत की विक्री विकास के साथ आम बातें होती गई हैं ।



11 (PII)

4

Marks

गुण

(2×10=20)

8. क) उजे: मेले चोयेपे -

तुता ते लुवा मेरे तो:ब्ह लुङ माडना चोलता ।

ख) बु:झीनाये -

गो:जगोज: इ:फोन कटा, गो:गो:कड़अ कटाजुम्बो:, योयोकड़अ बोकोब जुम्बो: ।

E27SM6